# कार्यक्रमित सीखना
# Programmed Learning

Page No.:
Date: / /

Programmed learning का अर्थ यह शिक्षण प्रक्रिया है जिसमें बालक किसी विषय को एक प्रोग्राम के तहत सीखता है इस तरह के शिक्षण में इस विषय को छोटे-छोटे चरणों में विभाजित कर एक-एक करके बालकों को सिखलाया जाता है।

According to Ormrod (1995)

" programmed learning " में विद्यार्थी सावधानीपूर्वक अनुक्रमित छोटे-छोटे खण्डों में विभाजित किसी विषय को स्वतन्त्र रूप से अध्ययन करते हैं।"

इस learning की दूसरी विशेषता यह है कि इसमें technological devices का उपयोग किया जाता है इसी विशेषता के आधार पर रेबर ने इसे परिभाषित करने की कोशिश की है

" programmed learning एक व्यापक पद है जो शिक्षण में प्रौद्योगिक सहायता के रूप में किसी मशीन या अन्य यंत्रों के उपयोग को सम्माहित करता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार programmed learning के दो मुख्य संघटकों का पता चलता है।

1- इसके पहले component में किसी विषय को एक विशेष अनुक्रम के तहत कई छोटे-छोटे खंडों में विभाजित करके प्रत्येक खण्ड को अलग-अलग स्वतन्त्र रूप से सीखने या सिखाने का प्रयास किया जाता है। इससे शिक्षक को पढ़ाने और विद्यार्थी को सीखने में सुविधा होती है जिससे teaching तथा learning काफी effective बन पाते हैं।

2- इसके दूसरे component में तकनीकी यंत्रों का उपयोग किया जाता है जिससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया अधिक सरल बन पाती है जिससे hearing and motor disabilities वाले बालकों की शिक्षा संभव हो पाती है।

## Procedure of Programmed Learning

Programmed learning की एक विशेष कार्यविधि होती है जिसमें निम्नलिखित चरण शामिल होते हैं।

1- पहले चरण में पढ़ाये जाने वाले पाठ या विषय को कई छोटे-छोटे खण्डों में विभाजित कर दिया जाता है। इस विभाजन करते समय यह सावधानी बरती जाती है कि वे पाठ का विश्लेषण अनुक्रमित ढंग से हो

Page No.:
Date: / /

2- इसके दूसरे चरण में पाठ के खण्डों को समान गति से विद्यार्थियों को दिखलाया जाता है इसके लिए teaching machine का उपयोग किया जाता है। इसकी सहायता से पाठ के विभिन्न खण्डों को समान गति से यथार्थ रूप में प्रस्तुत करना संभव होता है।

3- इसके तीसरे चरण में विद्यार्थी द्वारा पाठ के प्रत्येक खण्ड के प्रति दिये गये उत्तरों का ठीक ढंग से विश्लेषण किया जाता है। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहता है जब तक कि विद्यार्थी अपने पाठ के प्रत्येक खण्ड को ठीक ठीक ढंग से सीख नहीं लेता है।

4- इसके चौथे चरण में self instructional materials पर अपने स्तरों तथा - दर पर काम करते हैं।

Scanned with CamScanner